

Inhalt

| | |
|--|-----|
| Vorbemerkung | 7 |
| <i>Was es ist</i> | |
| Von Ulla Hahn | 11 |
| <i>Sprachlos</i> | |
| Von Gerhard Roth | 15 |
| <i>Wadi</i> | |
| Von Josef Haslinger | 20 |
| <i>Die mit der Sprache</i> | |
| Von Alexander von Bormann | 30 |
| <i>Verschlechterung</i> | |
| Von Alexander von Bormann | 41 |
| <i>Was es ist</i> | |
| Von Alexander von Bormann | 50 |
| <i>Literatur</i> | |
| Von Katrin Schäfer | 61 |
| <i>Dichter in Deutschland</i> | |
| Von Jörg Thunecke | 76 |
| <i>Fragen eines engagierten Dichters</i> | |
| Von Volker Kaukoreit | 95 |
| <i>Wer nicht ausgeht</i> | |
| Von Wolfgang Emmerich | 119 |
| <i>Heimkehr</i> | |
| Von Johann Holzner | 135 |

Die Treppen von Graz

| | |
|--|-----|
| Von Wendelin Schmidt-Dengler | 147 |
| Bibliographische Hinweise | 157 |
| Die Autoren der Beiträge | 166 |